संत ज़ेवियर्स उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दिल्ली - 54

कक्षा–8 द्वितीय फॉरमेटिव परीक्षा – 2014-15 पूर्णांक–20

दिनाँक–21.11.2014 संस्कृत समय–30 मिनट

सामान्य निर्देश :– 1. सभी प्रश्न उसके साथ दिए गए निर्देशानुसार कीजिए।
2. सुलेख तथा मात्राओं पर विशेष ध्यान दीजिए।

I. नीचे लिखे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर उसे शब्दों में अपनी उत्तर–पुस्तिका पर लिखिए। (5)

1. आकर्णयति में मूल धातु है।
   i. करण ii. कर् iii. कर्ण् iv. आ
2. 'परोक्षे' का अर्थ है।
   i. पीठ पीछे ii. सामने iii. परे iv. रक्षा
3. 'बहन' का संस्कृत में अनुवाद है –
   i. शिशुः ii. भगिनी iii. रिपुः iv. कपिः
4. 'नदीम् की विभक्ति है –
   i. चतुर्थी ii. षष्ठी iii. प्रथमा iv. द्वितीया
5. पठतम् का लकार है –
   i. लट् ii. लृट् iii. लोट् iv. लङ्

II. किसी एक का हिंदी में अनुवाद कीजिए। (3)

1. पुरा मथुरायाम् एकः नृशंसः नृपतिः अभवत्। तस्य नाम कंसः आसीत्। तस्य एका भगिनी देवकी आसीत्।
2. एकस्मिन् आश्रमे एकः मुनिः अवसत्। सः आश्रमस्य कुलपतिः असीत्। तत्र अनेके शिष्याः अपि अवसन्।

III. संस्कृत में तीनों प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3)

1. अलयः कुत्र गु जन्ति ?
2. कौ श्रीकृष्णम् अपालयताम् ?
3. कीदृशं मित्रं वर्जयेत् ?

अथवा

प्रसंग सहित सरलार्थ तथा भावार्थ लिखिए।

रुपयौवनसम्पन्नाः विशालकुलसंभवाः।
विद्याहीनाः न शोभन्ते, निर्गन्धाः इव किंशुकाः।।

IV. निर्देशानुसार कीजिए।

1. यति (बहुवचन) अस्मद्, सत्कार, आ + चर् (लङ् लकार)। (शब्दों से वाक्य बनाइए) (1)
2. अहं तान् अनमत् (वाक्य शुद्ध करके पुनः लिखिए) (1)
3. अद्यत्वे, कुतः (किसी एक शब्द का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए) (1)
4. i. रामः रावणस्य ..... आसीत्।
   ii. श्री कृष्णस्य जन्म ..... अभवत्। (उचित शब्द से वाक्य पूर्ण कीजिए) (1)
5. i. व्यवहार से मित्र बनते हैं।
   ii. निर्धन के मित्र नहीं होते। (उक्त अर्थों वाली श्लोक की पक्तियाँ लिखिए) (2)
6. निम्न में से किन्हीं तीन की विभक्ति/विभक्तियाँ तथा वचन लिखिए। (1½)
   i. मुनिभ्यः ii. नदीषु iii. अस्यै iv. फलात्
7. निम्न में से किन्हीं तीन के पुरूष तथा लकार बताइए। (1½)
   i. कुरुत ii. एधि iii. स्याः iv. अपठाव

******

रूपयौवनसम्पन्नाः विशालकुलसंभवाः।
विद्याहीनाः न शोभन्ते, निर्गन्धाः इव किंशुकाः।।

अथवा

हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

ततः भारतदेशं प्रत्यागच्छत्। सः कोलकाता नगरस्य प्रेसीडेन्सी महाविद्यालये भौतिकशास्त्रस्य प्राध्यापकः नियुक्तः। आंग्लशासने भारतीयप्राध्यापकेभ्यः आंग्लप्राध्यापकेभ्यः न्यूनतरम् वेतनं दीयते स्म। जगदीशचन्द्राय अपि अतिन्यूनम् वेतनं दत्तं।

रूपयौवनसम्पन्नाः विशालकुलसंभवाः।
विद्याहीनाः न शोभन्ते, निर्गन्धाः इव किंशुकाः।।